DABANG NEWS

Email-dabangnewsenglish@gmail.com | Ranchi | Sunday, April 28, 202

Program on Entrepreneurship and Intellectual Property Rights concluded at Guru Gobind Singh Educational Society Technical Campus

DN Bokaro

e

g

n

a

ia

n

11

of

e

e

e

0

The program focused on Entrepreneurship and Intellectual Property Rights was conducted in two sessions at Guru Gobind Singh Educational Technical Society's Campus, Engineering and Management College, Bokaro. This program was granted by the Ministry of Education. AICTE. Government of India and was organized in collaboration with Institute Council Innovation Inauguration of the Guest Welcome Service Chief Guest and Bhakti Chair Professor IPR National

University of A Study and



Research in Law Ranchi
DR Srinivas Murthy MR
and State President
Jharkhand Small and Tiny
Business and Enterprise
Organization Kundan
Upadhyay DR Srinivas
Murthy in his speech
Intellectual Kundan
Upadhyay explained what

is property right and its importance. Kundan Upadhyay made the audience aware about the government schemes. Director of the college, Dr. Priyadarshi Zarhar Har said that to achieve the first position in the world, the country should create its

intellectual property. A quiz session was also organized in the Do It Yourself program. Student Sahib Akram conducted the stage. Coordinator Professor Daya Shankar Diwakar expressed the vote of thanks. The program ended with the national anthem. It is known that the patents of Electrical Engineering Professor Pankaj Rai and Computer Engineering Professor Hussain Ansari. After approval, the college is the first self-funded college with 10 patents. President Tarsem Singh and Secretary Surendra Pal Singh congratulated.

Nev Lead

Lead I Traini on ISC OHS I

Bokaro for Lea 450001 organiz Excelle from 22 Human Depart Genera Sartape chief gu Genera charge Excelle AK Sir And G Anupan all the gave inf program Chief

Salam 1

contribu

बौद्धिक संपदा का ख-निर्माण जरुरी : डॉ. प्रियदर्शी जरुहार



संवाददाता

बोकारो : गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसाइटीज टेक्निकल कैंपस, इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कॉलेज, बोकारो में औन्त्रप्रेन्योरशिप और इंटेलेक्नुअल प्रॉपर्टी राइट (उद्यमशीलता एवं बौद्धिक संपदा अधिकार) पर केंद्रित दो सत्र का कार्यक्रम आयोजित किया गया। मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन, ए.आई.सी.टी.ई. भारत सरकार द्वारा स्वीकृत एवं इंस्टीट्यूट इन्नोवेशन काउंसिल के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं वक्ता चेयर प्रोफेसर आई.पी.आर., नैशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ, रांची, डॉ. श्रीनिवास मूर्ति एम.आर. एवं स्टेट प्रेसिडेंट,

एंड एंटरप्राइज एसोसिएशन कुंदन उपाध्याय रहे। डॉ. श्रीनिवास मूर्ति ने अपने संबोधन में इंटेलेक्नुअल प्रॉपर्टी राइट और उसके महत्व को समझाया। श्री उपाध्याय ने श्रोताओं को सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूक किया। कॉलेज निदेशक डॉ. प्रियदर्शी जरुहार ने कहा कि भारत देश को संसार में अव्वल स्थान प्राप्त करने के लिए चाहिए कि वह अपनी इंटलेक्नुअल प्रॉपर्टी का निर्माण खुद करे। डॉ. जरूहार ने बताया कि इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के प्रो. पंकज राय और कंप्यूटर इंजीनियरिंग के प्रो. हुसैन अंसारी की पेटेंट स्वीकृति के बाद 10 पेटेंट वाला यह पहला स्वपोषित कॉलेज है। कॉलेज संस्थान अध्यक्ष तरसेम सिंह और

प्रभात खबर

धनबाद, रविवार 28.04.2024 02

जीजीइएसटी में कार्यशाला का हुआ आयोजन



बोकारो. जीजीइएसटी-बोकारो में शनिवार को आंत्रप्रेन्योरिशप व इंटलेक्चुअल प्रोपर्टी राइट पर केंद्रित कार्यक्रम आयोजित हुआ. कार्यक्रम इंस्टीट्यूट इन्नोवेशन काउंसिल के सहयोग से हुआ. मुख्य अतिथि सह वक्ता डॉ श्रीनिवास मूर्ति (चेयर प्रोफेसर आइपीआर, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ, रांची) व कुंदन उपाध्याय ने इंटलेक्चुअल प्रोपर्टी राइट व सरकारी योजनाओं के बारे में बताया. कार्यक्रम में कॉलेज निदेशक डॉ प्रियदर्शी जरुहार, अध्यक्ष तरसेम सिंह, सचिव सुरेंद्र पाल सिंह व अन्य मौजूद थे.

कुमार व झूमा चक्रवतीं के निर्देशन में विद्यार्थियों ने स्वागत गान प्रस्तुत किया. बालवाट्रिका प्रभारी आराधना ने नयी शिक्षा नीति (प्री नर्सरी) की जानकारी दी. भावना घाले निर्देशित स्पार्किंग स्टार्स का ओपन टैलेंट हंट हुआ. पुतुल मंडल व माधवी झा की देखरेख में बैलून गेम हुआ. सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया. संचालन नेहा ने किया. मौके पर प्रभारी नागेंद्र प्रसाद, प्रशांत, आराधना, रूबी, ममता, सोनिया, सरोज स्याम भूषण आदि मौजूद थे.

